Baba’s Praise

12/2/2015

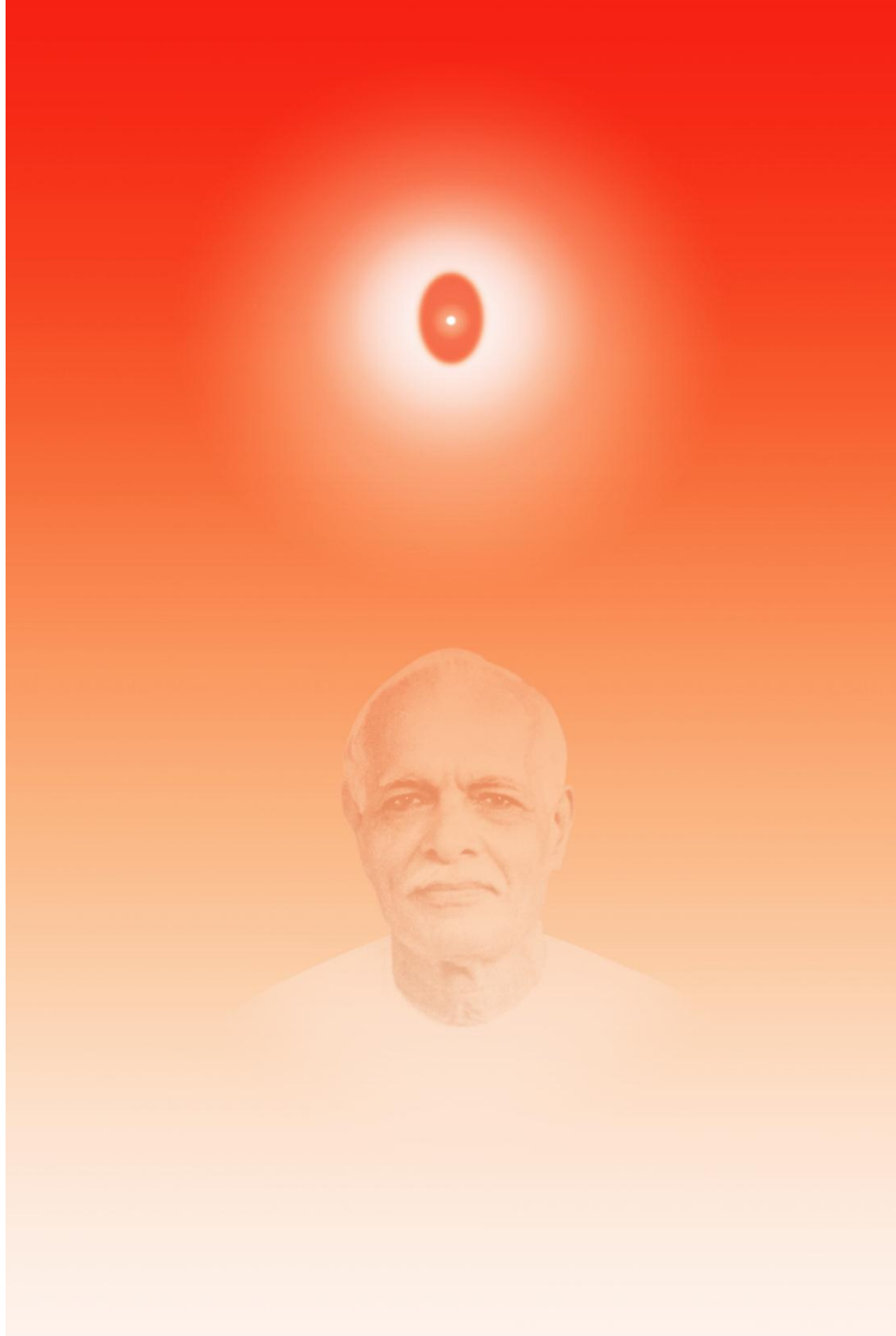

- जैसे आत्मा को जानते हैं, देखा नहीं है, वैसे **परमपिता परमात्मा** के लिए भी कहते हैं **परम आत्मा** माना परमात्मा, परन्तु उनको देखा नहीं है । न अपने को, न बाप को देखा है ।

- **शिव** जयन्ती भी मनाते हैं, वही आकर तुमको **कृष्णपुरी का मालिक बनाते** हैं ।

- अज्ञान को अन्धियारा कहा जाता है । ज्ञान को रोशनी कहा जाता है । अब **सोझरा करने वाला** कौन? वह है बाप ।

- बच्चों को पहले तो यह निश्चय चाहिए कि यह **सर्व का बाप** है, जो ही **सर्व की सद्गति** करते हैं, **सर्व के लिए पढ़ाई** भी पढ़ाते हैं ।**सर्व को मुक्तिधाम ले जाते हैं** ।

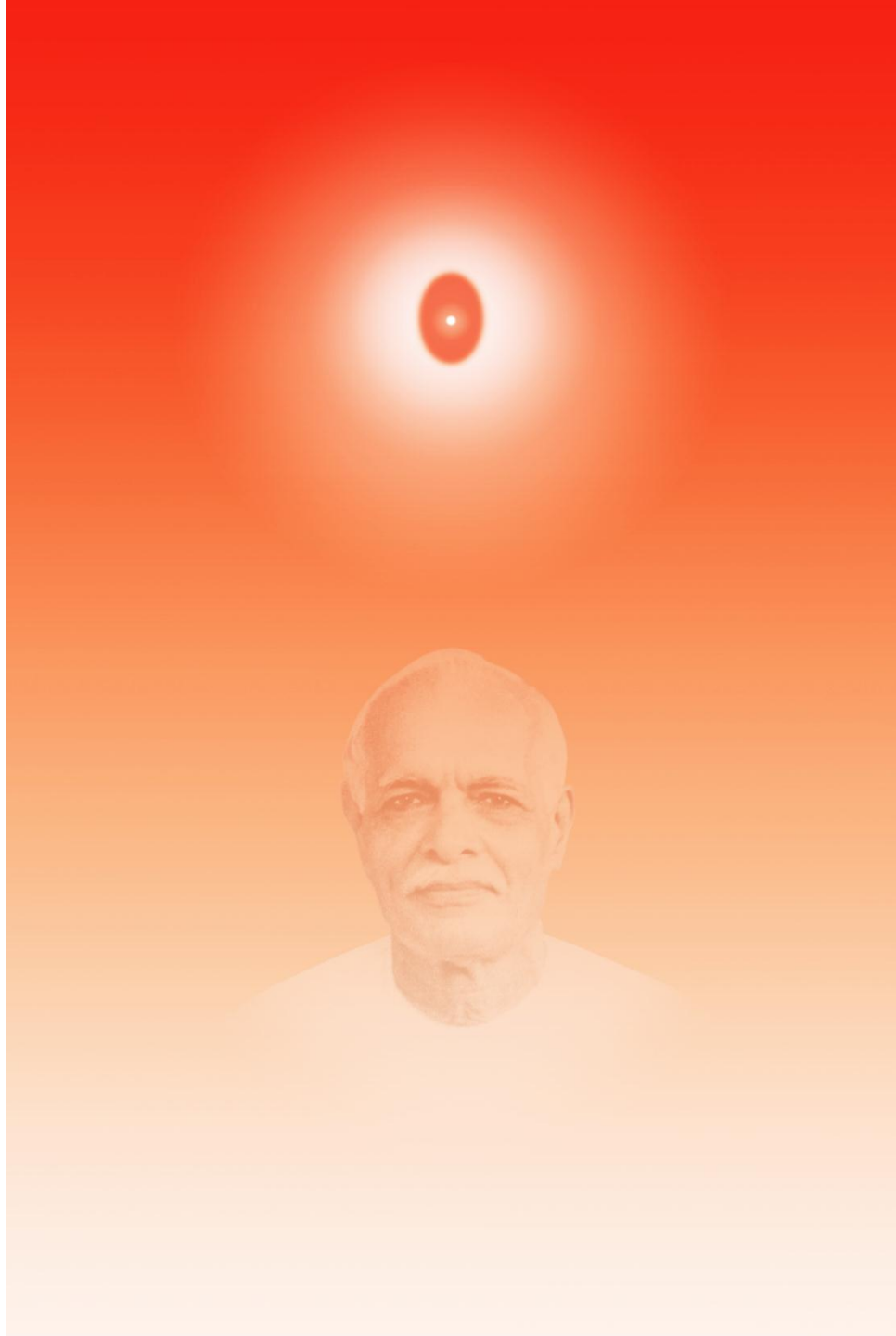

- बाप ही **रूहानी टीचर** बन पढ़ाते हैं । अच्छा पढ़कर पूरा करेंगे तो फिर साथ ले जायेंगे फिर तुम आयेंगे पार्ट बजाने ।

- हमको पढ़ाने वाला **ज्ञान का सागर** है । वही **पतित-पावन** सर्व का **सद्गति** दाता है । बाप कहते हैं तुमको ज्ञान मैं देता हूँ ।

- इसको कहा ही जाता है निधन की दुनिया । कोई धनी- धोणी है नहीं जो शिक्षा दें । बाप जब ऐसी हालत देखते हैं तो धणका बनाने आते हैं । बाप ही आकर **सबको धणका बनाते** हैं । **धणी** आकर **सब झगड़े मिटा देते** हैं ।

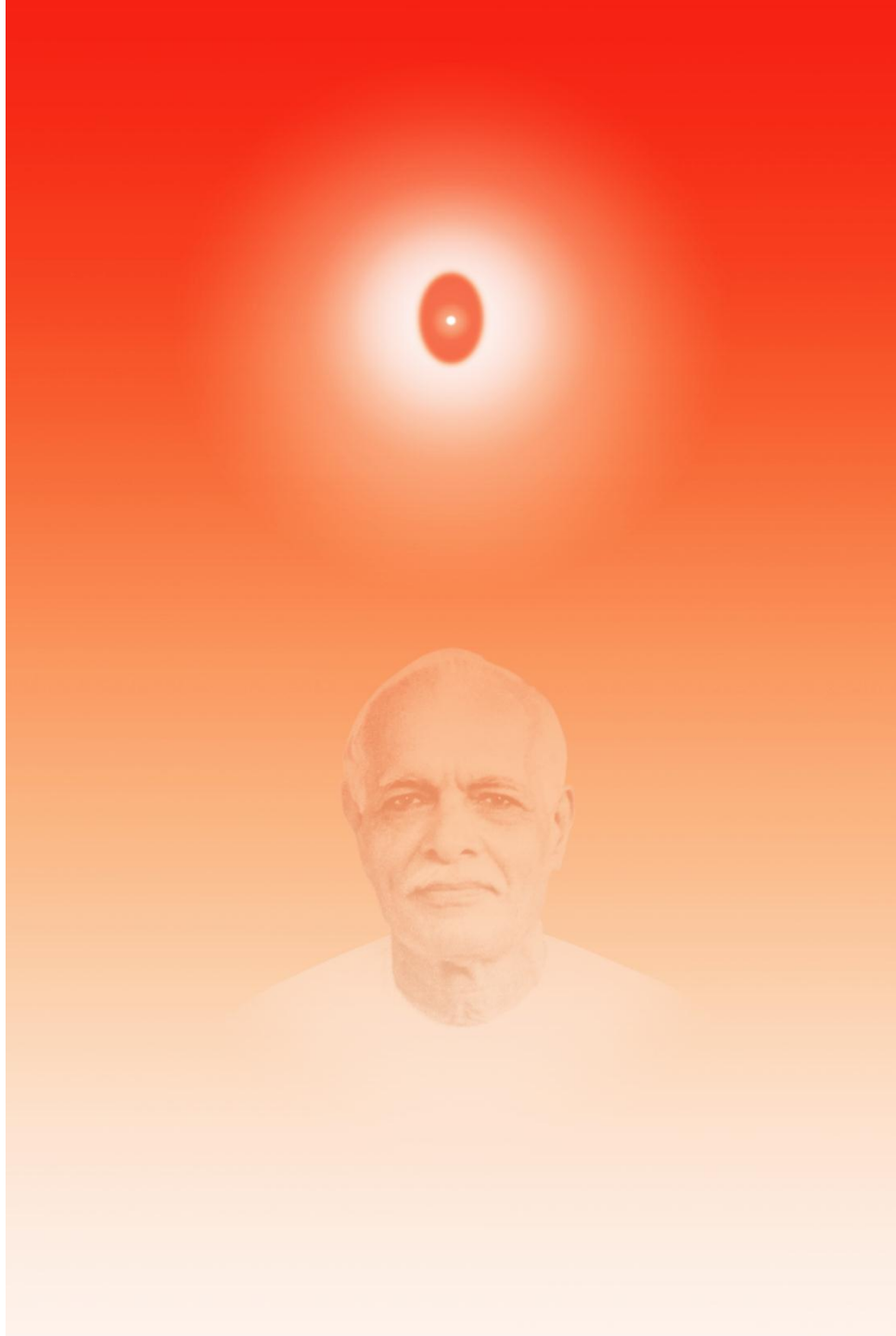

- ड्रामा में बाप का पार्ट ही अलग है । **ज्ञान का सागर एक** है, उस एक की ही महिमा है जबकि ज्ञान का सागर है तो कब आकर ज्ञान देवे, जो **सद्गति** हो । जरूर यहाँ आना पड़े ।

- शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा देवता धर्म यानी **नई दुनिया की स्थापना** कर रहे हैं, शंकर द्वारा **पुरानी दुनिया का विनाश** फिर विष्णु द्वारा **नई दुनिया की पालना** कराते हैं, यह सिद्ध हो जाए ।

- अब बाप कहते हैं वह शास्त्र आदि राइट हैं वा मैं राइट हूँ? **सच्ची सत्य नारायण की कथा** तो मैं सुनाता हूँ । अभी तुमको निश्चय है कि **सत्य बाप** द्वारा हम नर से नारायण बन रहे हैं ।

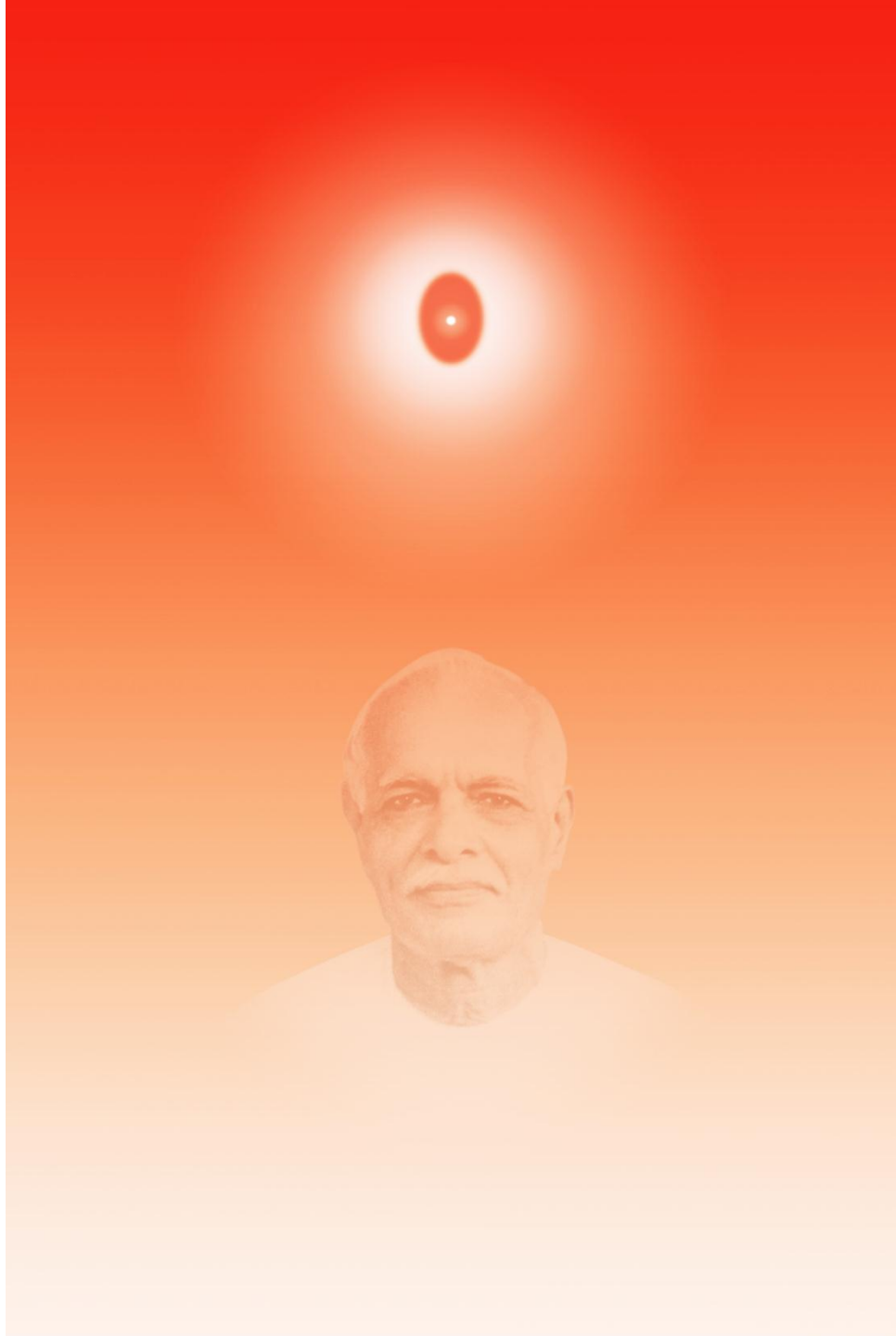

- यह तो एक ही बाप है, उनको कहा जाता है **सुप्रीम फादर** ।
- दु:ख में सब उनको याद करते हैं, सुख में कोई नहीं करते । तो वह बाप ही आकर **स्वर्ग का मालिक** बनाते हैं ।